उत्तराणि

मणिका संस्कृत व्याकरण

(कक्षा 7 के लिए)

लेखिका

सुनीता सचदेव

एम०ए० (संस्कृत), बी०एड्०

न्यू सरस्वती हाउस (इंडिया) प्रा०लि०

नई दिल्ली-110002 (इंडिया)

खण्ड 'क' अनुप्रयुक्त-व्याकरणम्

1. उच्चारणस्थानानि

1. 1. *(ii)* ञ् 2. *(i)* मूर्धन्य: 3. *(ii)* ऋ 4. *(i)* स् 5. *(i)* ग् 6. *(ii)* ओ
7. *(iii)* क् 8. *(ii)* तालु: 9. *(i)* मूर्धा 10. *(ii)* द् 11. *(iii)* म् 12. *(i)* व्
13. *(iii)* ए 14. *(iii)* श् 15. *(i)* कण्ठ: 16. *(iii)* त् 17. *(iii)* म् 18. *(ii)* र्
19. *(iii)* ह् 20. *(iii)* औष्ठौ नासिका च 21. *(iii)* तालु: 22. *(i)* इ 23. *(ii)* ओष्ठ: 24. *(iii)* ढ्
25. *(iii)* स् 26. *(ii)* न् 27. *(iii)* नासिका दन्त्य: च 28. *(ii)* व् 29. *(iii)* नासिका 30. *(iii)* ओ
31. *(i)* झ् 32. *(i)* तालु: 33. *(iii)* दन्त: 34. *(ii)* फ् 35. *(ii)* कण्ठतालु:36. *(i)* कण्ठ:

2. (क) (×) (ख) (✓) (ग) (✓) (घ) (×) (ङ) (✓) (च) (✓)

3. (क) 1. (ख) मूर्धा 2. (ग) तालु: 3. (क) दन्तोष्ठ:
4. (ङ) नासिका 5. (च) कण्ठतालु: 6. (घ) दन्त:
(ख) 1. (क) दन्त: 2. (ङ) नासिका 3. (घ) कण्ठोष्ठ:
4. (ग) कण्ठ: 5. (ख) ओष्ठ: 6. (च) दन्त:

4. (क) व्, (ख) द्, (ग) ण्, (घ) कण्ठ:, (ङ) तालु:, (च) नासिका एवं कण्ठ:

2. सन्धि:

1. 1. *(iii)* विद्या + आलये, *(iii)* अद्यावकाश: 2. *(ii)* दैत्य + अरि:
2. 1. *(ii)* सु + उक्तिम् 2. *(iii)* सर्व + उत्तम: 3. *(i)* नव + ऊढा
3. 1. *(ii)* गंगा + उदकम् 2. *(iii)* परम + ईश: 3. *(iii)* यदि + अपि
4. 1. *(ii)* देवी + उवाच 2. *(iii)* गै + अक: 3. *(ii)* लो + अनम्
5. 1. *(iii)* मातृ + आज्ञा 2. *(ii)* सु + आगतम् 3. *(ii)* सर्वदैव
6. 1. *(iii)* हिम + आलय: 2. *(iii)* महा + उदय 3. *(ii)* लता + एव
7. 1. *(iii)* नदी + अत्र 2. *(iii)* बालैका 3. *(iii)* विक्रम + उर्वशीयस्य
8. 1. *(i)* प्र + ऊढ: 2. *(ii)* नवौषधि: 3. *(iii)* भो+ अनम्
9. 1. *(iii)* सूर्य + उदय: 2. *(iii)* तव + इति 3. *(iii)* हित + उपदेशम्
10. 1. *(iii)* वधूत्सवे 2. *(ii)* देवर्षि: 3. *(iii)* अद्य + एव
11. 1. *(iii)* गणेशम् 2. *(ii)* तदैव 3. *(iii)* मतैक्यम्
12. 1. *(iii)* तत्र + एव 2. *(iii)* न + एव 3. *(ii)* द्वावेव
13. 1. *(iii)* अद्याहम् 2. *(ii)* अत्रैव 3. *(iii)* देवालये
14. 1. *(iii)* मम + आर्य: 2. *(iii)* अद्यापि 3. *(iii)* गृह + उद्यानम्
15. 1. *(ii)* जल + अभावात् 2. *(iii)* मूषकस्योपरि 3. *(ii)* छिन्ना + अभवत्
16. 1. *(iii)* शान्ता + अभवत् 2. *(iii)* क्षुद्र: + अयम् 3. *(ii)* मन्येऽहम्
17. 1. *(i)* ह्येक: 2. *(iii)* मृग + इन्द्रता 3. *(iii)* वृद्धोपसेविन:
18. 1. *(iii)* मम + उपहासम् 2. *(iii)* प्रति + ईक्षाम् 3. *(ii)* मातृ + अर्थम्
19. 1. *(iii)* पवन: 2. *(ii)* नौ + इकस्य 3. *(iii)* देवी + अस्ति
20. 1. *(iii)* वर्षा + ऋतु: 2. *(iii)* अति + इव 3. *(ii)* सु + अच्छम्

3. शब्दरूप प्रकरणम्

1. प्रथमा वि० हरय: द्वितीया वि० हरिम् तृतीया वि० हरिभ्याम् चतुर्थी वि० हरये
पंचमी वि० हरे: षष्ठी वि० हरीणाम् सप्तमी वि० हरौ, हरिषु, सम्बोधन हे हरय:!

2. प्रथमा वि० सखाय:	द्वितीया वि० सखायम्, सखीन्	तृतीया वि० सख्या	चतुर्थी वि० सख्ये
पंचमी वि० सख्यु:	षष्ठी वि० सखीनाम्,	सप्तमी वि० सख्यौ,	सम्बोधन हे सखाय:!
3. प्रथमा वि० महाराजा:	द्वितीया वि० महाराजौ	तृतीया वि० महाराजेन	चतुर्थी वि० महाराजाय
पंचमी वि० महाराजात्	षष्ठी वि० महाराजयो:	सप्तमी वि० महाराजे, महाराजेषु,	सम्बोधन हे महाराजा:!
4. प्रथमा वि० साधू	द्वितीया वि० साधून्	तृतीया वि० साधुना, साधुभि:	चतुर्थी वि० साधवे
पंचमी वि० साधो:	षष्ठी वि० साधूनाम्	सप्तमी वि० साधौ	सम्बोधन हे साधू!
5. प्रथमा वि० कर्तारौ	द्वितीया वि० कर्तॄन्	तृतीया वि० कर्तृभ्याम्	चतुर्थी वि० कर्त्रे
पंचमी वि० कर्तृभ्य:	षष्ठी वि० कर्तॄणाम्	सप्तमी वि० कर्तृरि, कर्तृषु	सम्बोधन हे कर्त!
6. प्रथमा वि० दाता	द्वितीया वि० दातारम्	तृतीया वि० दातृभि:	चतुर्थी वि० दात्रे
पंचमी वि० दातृभ्य:	षष्ठी वि० दातु:, दात्रो:	सप्तमी वि० दातरि	सम्बोधन हे दातारौ!
7. प्रथमा वि० रात्रि:, रात्रय:	द्वितीया वि० रात्रिम्	तृतीया वि० रात्र्या	चतुर्थी वि० रात्रये
पंचमी वि० रात्रै:	षष्ठी वि० रात्रे:	सप्तमी वि० रात्रौ	सम्बोधन हे रात्रे!
8. प्रथमा वि० स्त्री	द्वितीया वि० स्त्रियम्	तृतीया वि० स्त्रीभि:	चतुर्थी वि० स्त्रीभ्य:
पंचमी वि० स्त्रीभ्य:	षष्ठी वि० स्त्रियो:, स्त्रीणाम्	सप्तमी वि० स्त्रियाम्	सम्बोधन हे स्त्रि!
9. प्रथमा वि० दधीनि	द्वितीया वि० दधिनी, दधीनि	तृतीया वि० दधिभि:	चतुर्थी वि० दधिभ्य:
पंचमी वि० दधिभ्य:	षष्ठी वि० दध्नाम्	सप्तमी वि० दधिषु	सम्बोधन हे दधीनि!
10. प्रथमा वि० अस्थिनी, अस्थीनि	द्वितीया वि० अस्थिनी	तृतीया वि० अस्थिभ्याम्	चतुर्थी वि० अस्थिभ्याम्
पंचमी वि० अस्थिभ्याम्	षष्ठी वि० अस्थ्नो:	सप्तमी वि० अस्थ्नो:	सम्बोधन हे अस्थिनी!
11. प्रथमा वि० अश्रूणि	द्वितीया वि० अश्रुणी	तृतीया वि० अश्रुणा	चतुर्थी वि० अश्रुणे
पंचमी वि० अश्रुण:	षष्ठी वि० अश्रुण:	सप्तमी वि० अश्रुणि, अश्रुषु	सम्बोधन हे अश्रूणि!

4. धातुरूप प्रकरणम्

1.	वसत:	वससि	वसाव:	**2.**	हसन्ति	हसथ:	हसाम:
	वत्स्यन्ति	वत्स्यसि	वत्स्याव:		हसिष्यति	हसिष्यथ	हसिष्याव:
	अवसत्	अवसत	अवसाव		अहसताम्	अहसत	अहसम्
	वसतु	वस	वसाम		हसतु	हसतम्	हसानि
	वसेताम्	वसेत	वसेयम्		हसेताम्	हसे:	हसेम
3.	रक्षत:	रक्षसि	रक्षाम:	**4.**	पचन्ति	पचथ	पचामि
	रक्षिष्यत:	रक्षिष्यसि	रक्षिष्याम:		पक्ष्यत:	पक्ष्यसि	पक्ष्याम:
	अरक्षन्	अरक्षतम्	अरक्षम्		अपचताम्	अपच:	अपचाम
	रक्षन्तु	रक्ष	रक्षाम		पचन्तु	पच	पचाव
	रक्षेताम्	रक्षे:	रक्षेम		पचेत्	पचेतम्	पचेम
5.	तिष्ठति	तिष्ठथ:	तिष्ठाम:	**6.**	पश्यति	पश्यथ:	पश्याम:
	स्थास्यत:	स्थास्यसि	स्थास्याम:		द्रक्ष्यन्ति	द्रक्ष्यसि	द्रक्ष्याव:
	अतिष्ठन्	अतिष्ठ:	अतिष्ठाव		अपश्यताम्	अपश्य:	अपश्याम
	तिष्ठताम्	तिष्ठ	तिष्ठाम		पश्यतु	पश्य	पश्याम
	तिष्ठेत्	तिष्ठेत	तिष्ठेव		पश्येत्	पश्येत	पश्येव
7.	कथयन्ति	कथयथ:	कथयामि	**8.**	भक्षयत:	भक्षयसि	भक्षयाम:
	कथयिष्यति	कथयिष्यथ:	कथयिष्याम:		भक्षयिष्यत:	भक्षयिष्यथ	भक्षयिष्यामि
	अकथयताम्	अकथय:	अकथयाम		अभक्षयत्	अभक्षयत	अभक्षयाव
	कथयताम्	कथय	कथयाम		भक्षयतु	भक्षयतम्	भक्षयाम
	कथयेताम्	कथयेत	कथयेम		भक्षयेयु:	भक्षये:	भक्षयेव

9. जिघ्रसि जिघ्रथ: जिघ्राम:
घ्रास्यन्ति घ्रास्यसि घ्रास्याव:
अजिघ्रन् अजिघ्रत अजिघ्रम्
जिघ्रन्तु जिघ्र जिघ्राव
जिघ्रेयु: जिघ्रेत जिघ्रेयम्

10. क्रुध्यत: क्रुध्यसि क्रुध्याम:
क्रोत्स्यन्ति क्रोत्स्यसि क्रोत्स्याव:
अक्रुध्यताम् अक्रुध्य: अक्रुध्याम
क्रुध्यन्तु क्रुध्यतम् क्रुध्यानि
क्रुध्येयु: क्रुध्येत क्रुध्येम

11. हत: हथ हन्व:
हनिष्यत: हनिष्यथ हनिष्यामि
अहनन् अहत अहन्व
हनन्तु जहि हनाम
हन्यु: हन्या: हन्याम

12. शृण्वन्ति शृणुथ शृणोमि
श्रोष्यति श्रोष्यसि श्रोष्याम:
अशृण्वन् अशृणुतम् अशृण्वम्
शृण्वन्तु शृणुतम् शृण्वाम
शृणुयु: शृणुया: शृणुयाव

13. तुदत: तुदसि तुदाम:
तोत्स्यन्ति तोत्स्यसि तोत्स्याम:
अतुदत् अतुद: अतुदाम
तुदन्तु तुद तुदाम
तुदेयु: तुदेत तुदेव

14. चोरयत: चोरयथ: चोरयाम:
चोरयिष्यत: चोरयिष्यथ चोरयिष्यामि
अचोरयन् अचोरयत अचोरयम्
चोरयन्तु चोरय चोरयाव
चोरयेयु: चोरयेत चोरयेयम्

15. वदत: वदथ वदामि
वदिष्यन्ति वदिष्यसि वदिष्याव:
अवदन् अवदत अवदाव
वदताम् वद वदाम
वदेयु: वदेत वदेव

5. वर्णविन्यासा: संयोगा: च

1. हरि:
2. न् + अ + म् + अ:
3. भवान्
4. रमेश:
5. कार्यम्
6. त् + अ + म्
7. स् + अ + र् + व् + ए
8. स् + अ + न् + त् + उ
9. न् + इ + र् + आ + म् + अ + य् + आ:
10. ज् + अ + न् + अ + न् + ई
11. ज् + न् + म् + अ + भ् + ऊ + म् + इ + श् + च् + अ
12. स् + व् + अ् + र् + ग् + आ + त्
13. अ + प् + इ
14. ग् + अ + र् + ई + य् + अ + स् + इ
15. व् + अ + न् + द् + ए
16. म् + आ + त् + अ + र् + अ + म्
17. प् + अ + र् + व् + अ + त् + आ:
18. द् + ऊ + र् + अ + त् + अ:
19. र् + अ + म् + य् + या:
20. कृष्णम्
21. कमल
22. जगद्गुरुम्
23. वासुदेवम्
24. नमामि
25. वाल्मीकि:
26. पुत्र
27. अत्र
28. आगच्छ
29. दीपावली
30. समय:
31. रावणम्
32. र् + आ + म् + अ:
33. अ + म् + आ + र् + अ + य् + अ + त्
34. क् + अ + श् + च् + इ + द्
35. स् + अ + त् + य् + अ + म्
36. वद
37. ध् + अ + र् + म् + अ + म्
38. चर
39. चिद्रूपम्
40. अ + ज् + आ + दि
41. स् + अ + ज् + ज् + अ + न् + अ:
42. व् + इ + श् + व् + आ + स् + अ + म्
43. क् + उ + र् + उ
44. अधिकृतम्
45. त् + अ + न् + म् + अ + य् + अ:
46. क् + उ + र् + व् + अ + न् + त् + इ
47. प् + इ + त् + ऋ + व् + य् + आ
48. म् + आ + त् + आ + म् + अ + ह् + ई
49. मातामह:
50. म् + अ + म् + अ
51. भारतम्
52. ज् + ई + व् + अ + त् + इ
53. जयते
54. ग्रीष्मे
55. अ + व् + अ + क् + आ + श् + आ:

6. पर्याया: एवम् विपर्यया:

1. 1. तरव: 2. प्रहरिण: 3. अरण्याणि 4. समये 5. सरितासु
6. आलयानाम् 7. लोकानाम् 8. अलाभ: 9. कुसुमम् 10. सकलानाम्।

2. 1. रसना, जिह्वा। 2. वसनम्, वस्त्रम्। 3. वृक्षः, महीरुहः। 4. मीनः, झषः। 5. जलदः, वारिदः।
6. जननी, अम्बा। 7. सूर्यः, रविः। 8. गजः, द्विपः। 9. नगः, अचलः। 10. सरः, तड़ागः।
11. शशी, इन्दुः। 12. पङ्कजम्, कमलम्। 13. सदनम्, आलयम्। 14. नदी, तटिनी। 15. जनकः, पिता।

3. 1. नगः 2. पाणिः 3. दिनकरः 4. वारिधिः 5. राक्षसः
6. निशाकरः 7. नृपः 8. वृक्षः 9. महानसम् 10. महिला।

4. 1. कटुः 2. कृशः 3. लघुः 4. अधः 5. बहिः
6. अलसः 7. शीतलः 8. बुद्धिहीनः 9. दिवसः 10. अग्निः।

5. 1. (*ii*) बहिः 2. (*iii*) चन्द्रः 3. (*iii*) अधः 4. (*iii*) नृपः 5. (*ii*) सज्जनः।

6. 1. चन्द्रः 2. विक्रयम् 3. ज्ञानम् 4. दिवसः 5. अलसः
6. सत्यम् 7. आगत्य 8. जलम् 9. शीतलः 10. विशालः।

7. 1. ऋक्षः 2. वृक्षः 3. कुटजः 4. जलजम् 5. जननी
6. चीरम् 7. चन्द्रः 8. होरा 9. राजा 10. आशु।

7. समयलेखनम्

1. (*ii*) त्रिवादनम्। **2.** (*iii*) सपादद्विवादनम्। **3.** (*ii*) पादोनचतुर्वादनम्। **4.** (*ii*) षड्वादनम्।
5. (*iii*) एकवादनम्। **6.** (*iii*) सार्धत्रिवादनम्। **7.** (*iii*) सपादसप्तवादनम्। **8.** (*i*) सार्धद्विवादनम्।
9. (*iii*) सपादत्रिवादनम्। **10.** (*iii*) सार्धचतुर्वादनम्। **11.** (*ii*) पादोनषड्वादनम्। **12.** (*i*) सपादषड्वादनम्।
13. (*ii*) सार्धसप्तवादनम्। **14.** (*iii*) सपादअष्टवादनम्। **15.** (*ii*) पादोननववादनम्। **16.** (*ii*) सपादचतुर्वादनम्।
17. (*ii*) पादोनअष्टवादनम् **18.** (*iii*) सार्धअष्टवादनम्। **19.** (*iii*) पादोनदशवादनम्। **20.** (*i*) सार्धदशवादनम्।

8. संख्या

1. पञ्चषष्टिः 2. त्रिविंशतिः 3. नवत्रिंशत् 4. पञ्चचत्वारिंशत् 5. नवचत्वारिंशत्
6. अष्टपञ्चाशत् 7. दश 8. पञ्चदश 9. नवसप्ततिः 10. अशीतिः
11. षष्टिः 12. पञ्चत्रिंशत् 13. नवषष्टिः 14. नवनवतिः 15. शतम्।

9. उपपदविभक्तयः

1. 1. छात्रासु 2. सितारवादने 3. तबलावादने 4. गृहकार्येषु 5. धावने
2. 1. कार्येषु 2. वञ्चने 3. मातरम् 4. मह्यम् 5. मार्गम्
3. 1. वध्वाम् 2. पुत्रीम् 3. अनुजाय 4. विवादेन 5. बिडालात्
4. 1. चौरम् 2. गृहम् 3. इन्द्राय 4. गृहात् 5. ज्ञानात्
5. 1. दुर्गम् 2. अध्यापिकायै 3. पञ्जरात् 4. मात्रा 5. नगरम्
6. 1. केन 2. मूर्तिकलायाम् 3. बालकेभ्यः 4. बाले 5. मार्गम्
7. 1. सिंहात् 2. निर्धनेभ्यः 3. लक्ष्म्यै 4. पुत्रे 5. वार्त्तालापेन
8. 1. अग्नये 2. कलहेन 3. वयने 4. आम्रेण 5. बालकाय
9. 1. छात्रेभ्यः 2. कार्येषु 3. कंसाय 4. धावने 5. परिहासेन
10. 1. बिडालात् 2. सोमाय 3. पठनात् 4. रामात् 5. वीणावादने

10. प्रत्ययाः

1. 1. (*iii*) आप् + क्त्वा = पाकर 2. (*i*) त्यज् + क्त्वा = छोड़कर 3. (*i*) गम् + क्त्वा = जाकर
4. (*iii*) जि + क्त्वा = जीतकर 5. (*ii*) ज्ञा + क्त्वा = जानकर

2. 1. (*i*) नी + क्त्वा = लेकर 2. (*iii*) नम् + क्त्वा = झुककर 3. (*iii*) कृ + क्त्वा = करके
4. (*i*) दा + क्त्वा = देकर 5. (*ii*) नश् + क्त्वा = नष्ट होकर

3. 1. (*ii*) पच् + क्त्वा = पकाकर 2. (*ii*) दृश् + क्त्वा = देखकर 3. (*iii*) प्रच्छ् + क्त्वा = पूछकर
4. (*iii*) पा + क्त्वा = पीकर 5. (*ii*) छिद् + क्त्वा = काटकर

4. 1. (*iii*) लिख् + क्त्वा = लिखकर 2. (*i*) भू + क्त्वा = होकर 3. (*iii*) वस् + क्त्वा = रहकर
4. (*ii*) वद् + क्त्वा = बोलकर 5. (*iii*) नृत् + क्त्वा = नाचकर

5. 1. (*i*) भी + क्त्वा = डरकर 2. (*ii*) पत् + क्त्वा = गिरकर 3. (*i*) मिल् + क्त्वा = मिलकर
4. (*i*) घ्रा + क्त्वा = सूँघकर 5. (*iii*) क्रुध् + क्त्वा = क्रोधित होकर

6. 1. (*i*) उप् + पठ् + ल्यप् = पढ़कर 2. (*ii*) आ + गम् + ल्यप् = आकर 3. (*iii*) सम् + गम् + ल्यप् = साथ मिलकर
4. (*iii*) नि + वृत् + ल्यप् = काम से हटकर 5. (*iii*) उप् + गम् + ल्यप् = पास जाकर

7. 1. (*ii*) सम् + दृश् + ल्यप् = देखकर 2. (*i*) सम् + पठ् + ल्यप् = पढ़कर 3. (*iii*) आ + नी + ल्यप् = लाकर
4. (*iii*) निर् + गम् + ल्यप् = जाकर 5. (*iii*) आ + हु + ल्यप् = बुलाकर

8. 1. (*i*) खाद् + तुमुन् = खाने के लिए 2. (*i*) लभ् + तुमुन् = पाने के लिए 3. (*iii*) सह् + तुमुन् = सहने के लिए
4. (*iii*) भू + तुमुन् = होने के लिए 5. (*iii*) कुप् + तुमुन् = गुस्सा के लिए

9. 1. (*ii*) श्रु + तुमुन् = सुनने के लिए 2. (*i*) खेल् + तुमुन् = खेलने के लिए 3. (*i*) खाद् + तुमुन् = खाने के लिए
4. (*ii*) स्ना + तुमुन् = नहाने के लिए 5. (*ii*) स्था + तुमुन् = ठहरने के लिए

10. 1. (*ii*) दृश् + तुमुन् = देखने के लिए 2. (*i*) दा + तुमुन् = देने के लिए 3. (*iii*) गम् + तुमुन् = जाने के लिए
4. (*iii*) गै + तुमुन् = गाने के लिए 5. (*iii*) पा + तुमुन् = पीने के लिए

11. 1. (*iii*) ग्रह् + तुमुन् = ग्रहण करने के लिए 2. (*iii*) ताड् + तुमुन् = पीटने के लिए 3. (*iii*) पाल् + तुमुन् = पालने के लिए
4. (*iii*) लिख् + तुमुन् = लिखने के लिए 5. (*ii*) वद् + तुमुन् = बोलने के लिए

12. 1. (*i*) खेल् + तव्यत् = खेलने योग्य 2. (*iii*) दृश् + तव्यत् = देखने योग्य 3. (*i*) ज्ञा + तव्यत् = जानने योग्य
4. (*i*) जि + तव्यत् = जीतने योग्य 5. (*iii*) नी + तव्यत् = ले जाने योग्य

13. 1. (*iii*) श्रु + तव्यत् = सुनने योग्य 2. (*iii*) स्था + तव्यत् = ठहरने योग्य 3. (*iii*) स्पृश् + तव्यत् = छूने योग्य
4. (*iii*) वद् + तव्यत् = बोलने योग्य 5. (*iii*) सह् + तव्यत् = सहने योग्य

14. 1. (*iii*) कृ + अनीयर् = करने के योग्य 2. (*iii*) दृश् + अनीयर् = देखने के योग्य 3. (*i*) भू + अनीयर् = होने के योग्य
4. (*iii*) कथ् + अनीयर् = कहने के योग्य 5. (*ii*) खाद् + अनीयर् = खाने के योग्य

15. 1. (*i*) क्रन्द् + अनीयर् = चिल्लाने के योग्य 2. (*iii*) दण्ड् + अनीयर् = दण्ड देने योग्य 3. (*iii*) चुर् + अनीयर् = चुराने योग्य
4. (*iii*) चिन्त् + अनीयर् = सोचने योग्य 5. (*iii*) गम् + अनीयर् = जाने योग्य

11. अशुद्धिशोधनम्

1. 1. पठामि	2. करोषि	3. देशम्	4. भ्राता	5. अवसताम्
2. 1. बालकाय	2. मह्यम्	3. उत्तिष्ठत:	4. गच्छथ	5. गायत:
3. 1. ते	2. पक्ष्यति	3. श्व:	4. गमिष्यामि	5. अजै:
4. 1. कर्त्तव्या	2. पुत्रा:	3. मम	4. एनम्	5. यच्छति।
5. 1. चरणाभ्याम्	2. बाणेन	3. कर्णाभ्याम्	4. नमति	5. पिबन्ति
6. 1. पर्वतात्	2. वृक्षम्	3. अलम्	4. अस्मरम्	5. दधि
7. 1. वृक्षा:	2. कन्ये	3. क्रीडति	4. सखायौ	5. मित्रम्
8. 1. अपृच्छत्	2. स्मरिष्यति	3. नमति	4. घ्रास्यति	5. क्रीडति
9. 1. नंस्यति	2. गमिष्यत:	3. भक्षयिष्यति	4. हसति	5. मल्लाय
10. 1. कुरु	2. पास्यति	3. कुक्कुरात्	4. अश्वविद्यायाम्	5. एष: ग्रन्थ:
11. 1. फले	2. श्व:	3. अशुद्धम्	4. मम	5. एक:
12. 1. पुष्पाणि	2. आगच्छति	3. सर्पौ	4. अमर:	5. मूषके
13. 1. अस्ति	2. प्रसादम्	3. पञ्जरे	4. दीपक:	5. खादन्ति
14. 1. विशालम्	2. कुरुत:	3. अहस:	4. गृहम्	5. पुस्तकम्
15. 1. एष:	2. सुन्दराणि	3. मित्रम्	4. उद्यानम्	5. गच्छति
16. 1. पश्यत:	2. बालिकाया:	3. चरत:	4. गमिष्यथ	5. नंस्यामि

17. 1. तत्र	2. एषः	3. सुगन्धः	4. अजरः	5. आगच्छति
18. 1. खादति	2. पुस्तकम्	3. आगच्छति	4. आगच्छ	5. करोति
19. 1. करोतु	2. आगच्छ	3. नरः	4. महाराजः	5. अजरः अमरः
20. 1. आगमिष्यति	2. कुरुतः	3. पिका	4. लक्ष्म्यै	5. राज्ञः।

खण्ड 'ख' रचनात्मक-कार्यम्

12. पत्रलेखनम्

1. 1. इदम् 2. यत् 3. अधोलिखितानि 4. क्रेतुम् 5. मन्ये 6. सुलभानि 7. भवता 8. मम 9. अचिरात् 10. प्रेषणीयानि।
2. 1. निवेदनम् 2. अस्मिन् 3. वर्षे 4. विद्यालयात् 5. उत्तीर्णा 6. त्रिंशत् 7. मम 8. विशुद्धम् 9. अस्मि 10. यथाशीघ्रम्।
3. 1. इदम् 2. अस्ति 3. भ्रातुः 4. परश्वः 5. वरयात्रा 6. मह्यम् 7. अवकाशं 8. अनुगृह्णन्तु 9. धन्यवादः 10. प्रियाशिष्या।
4. 1. सप्ताहे 2. विद्यालयस्य 3. अभवत् 4. शिक्षानिदेशकः 5. कार्यक्रमाः 6. प्रतिवेदनम् 7. पुरस्कारवितरणम् 8. पुरस्कारम् 9. प्राप्तवान् 10. भवदीया।
5. 1. गतसप्ताहात् 2. बहुकष्टम् 3. कृपया 4. दूरभाषस्य 5. दूरीकृत्य 6. सहायताम् 7. मम 8. अस्ति 9. धन्यवादः 10. हेमन्तः।
6. 1. वयम् 2. सर्वम् 3. अस्ति 4. दिल्लीनगरस्य 5. द्रष्टुम् 6. विशाला 7. अपश्यम् 8. पञ्जरे 9. भ्रमन्ति 10. अपश्याम।

13. वार्त्तालापः

1. 1. गच्छामः	2. देशम्	3. रक्षामि	4. किम्	5. अस्ति।
2. 1. यच्छ	2. क्रीडामि	3. अस्ति	4. तस्मै	5. कन्दुकम्।
3. 1. श्वः	2. अवकाशः	3. भ्रमणाय	4. विहरिष्यामः	5. भवत।
4. 1. गच्छसि	2. गच्छामि	3. सह	4. क्रेतुम्	5. इच्छामि।
5. 1. किम्	2. अस्ति	3. किम्	4. खादामि	5. पास्ता।
6. 1. आगच्छ	2. कथयसि	3. इच्छामि	4. तारकम्	5. द्रष्टुम्।
7. 1. तिष्ठत	2. पठिष्यामः	3. अहम्	4. कश्मीरप्रदेशम्	5. स्वर्गः।
8. 1. शुभम्	2. मा	3. उद्बोधयसि	4. श्रुत्वा	5. नगरेषु।
9. 1. अस्ति	2. सोमवासरः	3. कथयसि	4. वृहस्पतिवासरे	5. अस्माकम्।
10. 1. सैन्धवम्	2. प्रयच्छामि	3. पचसि	4. पचामि	5. प्रयच्छ।

14. चित्रवर्णनम्

1. 1. अस्मिन् चित्रे एकः कुम्भकारः कार्यम् करोति।
2. सः मृत्तिकया पात्रान् रचयति।
3. अत्र अनेके घटाः अपि सन्ति।
4. सः कुटजे वसति।
5. सः शरावान् अपि रचयति।

2. 1. अस्मिन् चित्रे कक्षायाः वर्णनम् अस्ति।
2. संस्कृतअध्यापिका वास्तुकलाज्ञानम् ददाति।
3. छात्राः लिखन्ति।
4. एका छात्रा किंचित् पृच्छति।
5. वास्तुकलायाः ज्ञानम् अमूल्यम् अस्ति।

3. 1. अस्मिन् चित्रे पितामही बालकाय क्रीडनकम् यच्छति।
2. बालिका हसति।
3. पितामहः समाचारपत्रम् पठति।
4. मातामही अपि तिष्ठति।
5. माता सर्वेभ्यः चायम् आनयति।

4. 1. अस्मिन् चित्रे बसस्थानम् चित्रितम् अस्ति।
2. पंक्तिबद्धाः जनाः बसयानस्य प्रतीक्षाम् कुर्वन्ति।
3. एकः जनः बसयानात् अवतरति।
4. एकाः बालः जनकेन सह आगच्छति।
5. एक नरः तु फलानाम् रसम् पिबति।

5. 1. एतत् विपणनकेन्द्रस्य चित्रम् वर्तते।
2. अत्र एकम् स्थूलस्य कान्दविकस्य च आपणम् अस्ति।
3. समीपे एव फलानाम् आपणम् अस्ति।
4. सरण्याम् एका त्रिचक्रिका विकृता अभवत्।
5. एका बाला दूरभाषयन्त्रेण आलपति।

6. 1. एतत् वायुयानस्थलस्य चित्रम् अस्ति।
2. जनाः वायुयानात् अवतरन्ति।
3. केचन जनाः इतः-ततः भ्रमन्ति।
4. एकम् वायुयानम् गन्तुम् तत्परम् अस्ति।
5. ये जनाः तु कश्चित् स्थाने शीघ्रम् गन्तुम् इच्छन्ति ते वायुयानेन यात्राम् कुर्वन्ति।

7. 1. एतत् रंगमंचस्य चित्रम् अस्ति।
2. द्वे महिले मञ्चे नृत्यतः।
3. द्वौ गायकौ ध्वनिविस्तारकयन्त्रेण गायतः।
4. पार्श्वे एव तबलागिटारड्रमवादकाः च यन्त्राणि वादयन्ति।
5. एका नरः वीणाम् अपि वादयति।

8. 1. एतत् चित्रम् मैट्रोस्थलस्य अस्ति।
2. अत्र एकम् मैट्रोरेलयानम् तिष्ठति।
3. जनाः दिल्ली नगरे मैट्रोरेलयानम् आरुह्यन्ति।
4. एतत् स्थलम् सुन्दरम् स्वच्छम् च अस्ति।
5. मैट्रोरेलयानम् तु महदुपकरोति।

खण्ड 'ग' अपठित-अवबोधनम्

15. गद्यांशाः

40-50 शब्द परिमित

1. (1) 1. (*i*) गर्दभः 2. (*i*) व्याघ्रचर्मम् 3. (*ii*) रजकः 4. (*ii*) रासभः।
(2) 1. रजकः अचिन्तयत् ''अनेन चर्मणा आच्छादितम् रासभम् रात्रौ यवक्षेत्रेषु उत्स्रक्ष्यामि।''
2. क्षेत्रपालः रासभम् व्याघ्रम् मत्वा बहिः न निष्कासयिष्यति।
(3) 1. चर्म से 2. खेत का रक्षक।

2. (1) 1. (*ii*) सिंहः 2. (*i*) वने 3. (*i*) मूषकः 4. (*ii*) सिंहः।
(2) 1. मूषकः सिंहम् अवदत्-''कृपाम् कुरु माम् च न मारय इति।''
2. मूषकः सिंहस्य समीपे गत्वा तस्य केशान् अकृन्तत्।
(3) 1. कृपा शब्द द्वितीया विभक्ति एकवचन 2. (*i*) पीठ पर।

3. (1) 1. (*ii*) राजा 2. (*i*) शिविः 3. (*i*) श्येनात् 4. (*ii*) आत्ममांसम्।
(2) 1. राजा शिविः एकः दयालुः दानवीरः राजा आसीत्।
2. सः श्येनाय खड्गेन उत्कृत्य आत्ममांसम् अयच्छत्।
(3) 1. (*ii*) काटकर 2. अव्यय।

4. (1) 1. (*i*) विजयदशमी 2. (*ii*) आश्विनमासे 3. (*ii*) क्षत्रियाः 4. (*i*) रावणः।
(2) 1. विजयदशमी असत्यस्य उपरि सत्यस्य विजयस्य प्रतीकम् अस्ति।
2. ते स्वशस्त्राणाम् अस्त्राणाम् च पूजाम् कुर्वन्ति।
(3) 1. दुष्ट शब्द प्रथमा विभक्ति, एकवचन।
2. शस्त्र शब्द षष्ठी विभक्ति, बहुवचन।

5. (1) 1. (*ii*) दुःखानाम् 2. (*i*) अशिक्षा 3. (*i*) योग्यनागरिकाः 4. (*ii*) संसारे।
(2) 1. समाजे यदि शिक्षायाः अभावः भवति तदा अनेके विकाराः उत्पन्नाः भवन्ति।
2. दुःखानाम् मूलकारणम् अज्ञानम् एव अस्ति।
(3) (*ii*) सप्तमी।
(4) (*ii*) दोष।

6. (1) 1. *(ii)* सूचीमुखः 2. *(ii)* गुञ्जाफलानि 3. *(ii)* नैव 4. *(ii)* नैव।
(2) 1. सः अपश्यत् यत् वानराः गुञ्जाफलानि एव अग्निः मत्वा फूत्कुर्वन्ति स्म।
2. ते कुपिताः अभवन्।
(3) 1. *(ii)* लृट् 2. *(ii)* बेर।

7. (1) 1. *(ii)* लालालाजपतरायः 2. *(ii)* यष्टिप्रहारेण 3. *(i)* संकल्पम् 4. *(ii)* लवपुरे।
(2) 1. आरक्षिदलस्य एकः कार्यकर्त्ता तस्योपरि यष्टिप्रहारम् अकरोत् येन सः अमरत्।
2. सः तत्र सायमनकमीशनस्य विरोधे नेतृत्वम् अकरोत्।
(3) (क) थोड़ी देर बाद (ख) मृत्यु।

8. (1) 1. *(ii)* एकान्तप्रियः 2. *(ii)* अजम् 3. *(ii)* अजः 4. *(i)* त्रयः।
(2) 1. ब्राह्मणः अजम् स्कन्धेकृत्वा गच्छति स्म।
2. धूर्तः तम् अवदन्–भो विप्र! अपवित्रम् सारमेयं किमर्थम् नयसि इति?
(3) 1. *(i)* द्वितीया विभक्ति ''प्रति'' पद के कारण। 2. *(i)* कुत्ता।

9. (1) 1. *(i)* अजम् 2. *(ii)* विप्रः 3. *(ii)* धूर्तम् 4. *(ii)* द्वितीयाः।
(2) 1. सः अजम् सारमेयः इति अमन्यत्।
2. सः विप्रम् अकथयत्–अयुक्तम् एतत् यत् त्वम् सारमेयम् स्कन्धाधिरूढ़ं नयसि।
(3) 1. √नी + क्त्वा प्रत्यय 2. √गम् + क्त्वा प्रत्यय।

80-100 शब्द परिमित

1. (1) 1. अभिमन्युः 2. अर्जुनस्य 3. चक्रव्यूहभेदनम् 4. कौरवाः।
(2) 1. बाल्यकालात् एव सः अतिवीरः साहसी च आसीत्।
2. कौरवाः चक्रव्यूहम् तदा अरचयन् यदा अर्जुनः युद्धाय सुदूरम् अगच्छत्।
(3) 1. बालः–विशेष्य, अतिवीरः– विशेषण। 2. विहाय। 3. सुदूरम्। 4. कौरवाः।
(4) अभिमन्युः।

2. (1) 1. काकः 2. जलम् 3. घटस्य 4. काकः।
(2) 1. काकः पाषाणस्य खण्डानि घटे अक्षिपत्।
2. यदा काकः पर्याप्तम् जलम् अपिबत् तदा सः प्रसन्नः अभवत्।
(3) 1. पिपासितः 2. आगच्छत् 3. काकः 4. वारम् वारम्।
(4) चतुरः काकः।

3. (1) 1. ईश्वरस्यभक्तः 2. सायंकाले 3. मन्दिरम् 4. रमादासः।
(2) 1. रमादासः ईश्वरम् कथयतिस्म–''त्वम् तु अतीव दयालुः असि। मम सहायताम् कुरु इति।''
2. निष्कामभक्तः रामदासः आसीत्।
(3) 1. 'जन' शब्द–द्वितीया विभक्ति, बहुवचन।
2. 'नगर' शब्द–सप्तमी विभक्ति, एकवचन।
3. 'सायंकाले' शब्द सप्तमी विभक्ति, एकवचन।
4. 'तत्' शब्द सप्तमी विभक्ति, एकवचन।
(4) ईश्वरभक्तः रामदासः।

4. (1) 1. विचित्रदत्तः 2. मयंकः 3. विचित्रदत्तेन 4. मयंकसर्पः।
(2) 1. सर्पम् दृष्ट्वा सः अचिन्तयत्–''यत् अहम् सर्पस्य सहायतया स्व शत्रूनाशम् करिष्यामि।''
2. क्षुधापीडितः मयंकसर्पः विचित्रदत्तम् तस्य मण्डूककुलम् च अखादत्।
(3) 1. अभक्षयत् 2. 'अस्य' सर्वनाम् मयंक सर्प के लिए आया है। 3. महत् 4. कृपा शब्द–तृतीया विभक्ति, एकवचन।
(4) ''कर्मस्य फलम्''/ ''यथा कर्मम् तथा फलम्''।

5\. (1) 1. तडागे 2. कच्छपस्य 3. जनाः 4. कच्छपः।

(2) 1. यदा तडागस्य जलम् शुष्कम् अभवत् तदा कच्छपः जलाभावात् दुःखितः अभवत्।

2. पुरस्य जनाः हंसाभ्याम् नीयमानम् कच्छपम् दृष्ट्वा विस्मिताः अभवन्।

(3) 1. √श्रू + क्त्वा, प्रत्यय 2. वक्तुम् + इच्छन् 3. कच्छपम् 4. कूर्मः।

(4) मूर्खः कच्छपः।

6\. (1) 1. आश्रमे 2. बिडालात् 3. सिंहः।

(2) 1. मूषकः सिंहः भूत्वा निर्भयम् इतः-ततः भ्रमति स्म।

2. जनाः कथयन्ति स्म–''धन्यः एषः महातपः, यस्य कृपया मूषकः सिंहः अभवत्।''

(3) 1. मुनिः 2. कृतघ्नस्य 3. मारयितुम् 4. क्त्वा प्रत्यय।

(4) कृतघ्नः मूषकः।

7\. (1) 1. श्रीशाहजिः 2. जिजामाता 3. आदिलशाहः 4. अफजलखानः।

(2) 1. सः आज्ञापयत्–''अहम् तु शिवराजेन सह वार्तां कर्तुम् इच्छामि। तम एकाकी एव आनय।''

2. यदा अफजलखानः शिवराजाय आलिंगनम् अददात् तदा सः छुरिकया शिवराजस्य पृष्ठे प्रहारम् कर्तुम् तत्परः अभवत्।

(3) 1. अफजलखानः 2. छुरिका 3. √ज्ञा + क्त्वा प्रत्यय 4. ज्योतिः।

(4) वीरशिवाजिराजः।

8\. (1) 1. उदारपुरुषः 2. वस्त्रहीनेभ्यः 3. वृद्धम् 4. अन्नस्य।

(2) 1. नसीमः तदा सर्वेभ्यः जनेभ्यः अन्नम् भोजनम् च अयच्छत्।

2. सः अपृच्छत्–''त्वम् भोजनाय नसीमस्य गृहे किमर्थम् न गच्छसि? वृथा एव वृद्धावस्थायाम् अपि श्रमम् करोषि इति।''

(3) 1. क्षुधा 2. √वह् + शतृ प्रत्यय 3. त्वम् 4. नसीमः।

(4) श्रम एव जयते।

9\. (1) 1. स्वर्णकुम्भम् 2. जनाः 3. मिष्टान्नानि 4. नैव।

(2) 1. कृषकः उद्याने स्वर्णस्य महाकुम्भम् प्राप्तवान्।

2. नैव उद्याने मिष्टान्नानि उत्पन्नाः न अभवन्।

(3) 1. √फल् + क्त 2. सा 3. बहूनि = विशेषण, मिष्टान्नानि = विशेष्य 4. क्त्वा प्रत्यय।

(4) वृक्षेषु मिष्टान्नानि।

10\. (1) 1. श्रीनगरम् 2. उद्यानानि 3. कृत्रिमम्पिकनिकस्थलम् 4. आम्।

(2) 1. अत्र शालीमारः चश्माशाही, निशातबागनाम च उद्यानानि सन्ति।

2. चारचिनार इति एकम् कृत्रिम् विहारस्थलम् अस्ति यत् डललेकस्य मध्ये अस्ति।

(3) 1. प्र उपसर्ग आप् धातु + तुमुन् प्रत्यय 2. अत्र, च 3. (*ii*) उद्यानम् 4. असमर्थाः।

(4) कश्मीरम्।

11\. (1) 1. वृद्धम् 2. नगररक्षकः 3. नगररक्षकम् 4. आम्रवृक्षस्य।

(2) 1. सः यदा इतः-ततः अभ्रमत् तदा सः एकम् वृद्धम् महापुरुषम् अपश्यत्।

2. अन्ते सः अचिन्तयत्–''अहम् अपि वृक्षान् आरोपयिष्यामि।''

(3) 1. कर्त्तव्यपरायणः 2. वृथा 3. प्रसन्नः 4. अहम्।

(4) सज्जनः महापुरुषः।